>

Title: Regarding acute problem of drinking water and irrigation in Jharkhand.

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): उपाध्यक्ष महोदय, आप भी झारखंड राज्य से आते हैं। झारखंड के लोगों की हालत बहुत खराब है। खासकर, पीने के पानी में जो फ्लोराइड है, नाइट्रेट है, आर्सेनिक है, आयरन है और कैडमियम है, ये वहां के सारे जिलों में पाया जाता है।

उपाध्यक्ष महोदय, अभी झारखंड विधान सभा नहीं है तो एकमात्र यही फोरम है जिस के माध्यम से हम केन्द्र सरकार को आगाह कर सकते हैं। अभी गर्मी के दिन आने वाले हैं। सब को पीने के पानी की असुविधा उत्पन्न होगी। इतना ही नहीं, जो बच्चे यह पानी पी कर पैदा हो रहे हैं, वे या तो विकलांग पैदा हो रहे हैं या अंधे पैदा हो रहे हैं। जो माताएं हैं वे कुपोषण का शिकार हो रही हैं। उन में खून की कमी हो रही है। ऐसे जिले जहां फ्लोराइड की कमी है, वे हैं बोकारो, गिरीडीह, मेरा जिला गोड्डा, गुमला, पलामू, रामगढ़ और आपका जिला रांची। जहां नाइट्रेट कम है, वह चतरा, गढ़वा, गोड्डा, गुमला, लोहरदगा, बांकुर, पलामू, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: आप संक्षेप में बोलिए। झारखंड के बारे में बोल दीजिए।

श्री निशिकांत दुबे : पूरे झारखंड में इस तरह की कमी है। वाटर मैनेजमेंट जो है, उपाध्यक्ष महोदय, सारे जिले यदि आ जाएंगे तो आपका भी हो जाएगा, क्योंकि आप वहां से बोल नहीं पा रहे हैं। पांडेय जी, गिरिडीह के हैं, ये बोल नहीं पा रहे हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से यह कहना है कि वहां स्वास्थ्य की सुविधा बेहाल है। बच्चे विकलांग पैदा हो रहे हैं। महिलाओं को हम पीने का सही पानी भी नहीं दे पा रहे हैं, जिससे कि बच्चे स्वस्थ् पैदा हों। सिंचाई की जो सुविधा है, सिंचाई में जो ढेर सारी सिंचाई सुविधाएं है, जैसे कि पुनासी डेम, सुग्गा बथान, गुढ़ई है। मेरा यह कहना है कि एक तो लोगों को पीने का पानी मिले। आर्सेनिक, नाइट्रेट, इन सब का कैसे समाधान होगा? माननीय वित्त मंत्री जी ने अपने बजट में कहा है कि इनको अच्छे पीने के पानी की सुविधा हो। इरीगेशन के जो पुराने प्रोजेक्ट्स हैं, जो तीस-तीस, 40-40 सालों से वर्षों से चल रहे हैं, वे जल्दी से बन जाएं और जो पानी का बंटवारा है, मैंथन डेम, मयूराक्षी डेम, मसानजोर डेम का, ये जो पानी का बंटवारा खास कर बंगाल से चल रहा है, उसका भी केन्द्र सरकार फैसला करें, जिससे कि झारखंड के लोगों को, आदिवासियों, दलितों एवं पिछड़ों को इसका फायदा हो पाए।

उपाध्यक्ष महोदय, इसके लिए मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं और उस पर कार्यवाही की मांग करता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय: श्री निशिकांत जी के विषय के साथ श्री रवीन्द्र कुमार पांडेय जी भी अपने को संबद्ध करते हैं।

कमलेश जी, आपने इसमें दो विषय दिए हैं, आपको एक ही विषय पर बोलना है।

श्री कमलेश पासवान (बांसगांव): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी के संज्ञान में यह लाना चाहता हूं कि मेरा क्षेत्र बांसगांव संसदीय क्षेत्र, जहां एनएच-29 का सड़क है, वह पूर्ण रूप से गड्ढे में तब्दील हो गया है।

उपाध्यक्ष महोदय, जिस जगह से आप आते हैं, बिहार में, उत्तर प्रदेश की सड़कों का हाल किसी से छिपा नहीं है। मुझे लगता है कि तीस से ज्यादा स्पीड में कोई गाड़ी पूर्वांचल में नहीं चलती है। उसका कारण सिर्फ इतना है,...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: कमलेश जी, आप थोड़ा संक्षेप में बोलिए, क्योंकि और लोग भी बोलने वाले हैं। रात काफी हो गई है और लोगों को भूख भी लग रही होगी।